MR. DEPUTY SPEAKER : Everything is over. You are repeating the same point. If there is a new point you mention. This has already been considered. Mention if there is a new point.

श्री रामनगीना मिश्र : हमको बीच में मत रोकिए, कहने दीजिए। वहां के लोगों ने रेल लाइन को न उखाड़ने के लिए हड़ताल की। वहां के विशिष्ट लोगों ने भी अनुरोध किया कि अयोध्या के विकास हेतु इस रेल लाइन को रखा जाए और इसको बड़ी लाइन में कनवर्ट किया जाए। उन्होंने प्रधान मंत्री जी से मिलने का समय लिया है और वे विशिष्ट लोग प्रधान मंत्री जी से मिलने के लिए आ रहे हैं कि अयोध्या के विकास हेतु इस रेल लाइन का भी विकास किया जाए। अभी मंत्री जी ने कहा कि हमारे पास बजट बहुत कम है। अभी वाजपेयी जी ने भी कहा है और मैं भी इस बात से सहमत हूं कि इससे काम चलनेवाला नहीं है। अरबों रुपया खर्च हो रहा हैं और अयोध्या नगरी के विकास के लिए केवल 12 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाना है।

मैं चाहूंगा हमारे रेल मंत्री जी व्यक्तिगत प्रभाव डाल कर इस काम को करायें।

मैं समझता हूं कि प्रधान मंत्री जी वहां के जजबात से वाकिफ हैं, उनकी भी इच्छा है कि अयोध्या के विकास के लिये रेलवे लाइन का विकास किया जाय, और पुल बनाया जाय, इसके लिये मीटिंग होने जा रही है, मैं चाहूंगा रेल मंत्री प्रधान मंत्री से मिल कर के और योजना आयोग के उपाध्यक्ष से मिल कर के जो मौजूदा बजट है उसी में प्रावधान करें ताकि अयोध्या का विकास हो, बड़ी लाइन का विकास हो।

अभी जो रिपोर्ट मिली है जो मनकापुर से कटरा को रेल लाइन चलती है वहां के अधिकारी वैस्टेड इंटरेस्ट्स से मिल कर उस रेल को ठीक से नहीं चला रहे हैं। आप इसकी जांच करें और जो ट्रेन चल रही है मनकापुर से कटरा तक उसको सुचारु रूप से चलाया जाय और जो बाधायें हैं उनको दूर किया जाय। मेरी मांग है कि शटल कम से कम 5 बार चलनी चाहिये जिससे लोगों को सुविधा हो। करोड़ों आदमी अयोध्या में दर्शन के लिये जाते हैं। और जहां तक सेंटीमेंट्स की बात है, सेंटीमेंट्स से पता नहीं क्या क्या हो जाता है। इसलिए भारतवर्ष के सेंटीमेंट्स को हुए यह आवश्यक है कि घाघरा पर पुल बने, उसको बड़ी लाइन में कनवर्ट किया जाय और अयोध्या को इससे कनेक्ट किया जाय।

मैं पुनः मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा और जो उन्होंने कहा है कि अयोध्या लाइन कभी नहीं उखड़ेगी इस बयान को पढ़कर लाखों लोग उनको आशीर्वाद देंगे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि मंत्री जी की देख रेख में बड़ी लाइन भी बनेगी और पुल भी बनेगा।

SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI : I have replied to every bit of the point which the hon. Member has raised. I do not think I can add more to what I have already said.

13.25 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(i) DEMAND FOR PROVIDING EMPLOYMENT TO THE PERSONS WHOSE LANDS WERE TAKEN FOR ESTABLISHING FACTORIES IN PHULPUR, U.P.

MR. DEPUTY SPEAKER : Now, we take up matters under Rule 377.

श्री बी०डी० सिंह (फूलपुर) : उपाध्यक्ष जी, सरकार की यह नीति रही है कि जब भी किसी कारखाने इत्यादि के लिए किसानों की भूमि का

अधिग्रहण किया जाता है, तो विस्थापित किसानों को उनकी योग्यतानुसार उस कारखाने में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाता है। परन्तु ऐसे किसानों के साथ बड़ा अन्याय हो जाता है । जब स्थानीय अधिकारी पक्षपातपूर्ण व्यवहार करके किसानों को सेवा का अवसर न देकर अन्य लोगों को दे देते हैं। इलाहाबाद जनपद के अन्तर्गत फूलपुर में स्थित इफको के उर्वरक कारखाने में भी कुछ उन किसानों के साथ अन्याय किया गया जिनकी भूमि कारखाने के लिए ली गई थी । आज भी इस प्रकार के लगभग 100 किसान रोजगार रहित हैं। प्रारम्भ में ही निहित स्वार्थी अधिकारियों द्वारा तमाम बाहर के लोग नियुक्त कर लिये गये। बाद में इन किसानों को आश्वासन दिया जाता रहा है कि इफको कारखाने के साथ सोडा ऐश फैक्ट्री लगने जा रही है जिसमें इन किसानों को रोजगार दिया जायेगा । 30 दिसम्बर, 1981 को इफको कारखाने के उद्घाटन के अवसर पर माननीय कृषि मंत्री जी ने भी घोषणा की कि सोडा ऐश फैक्ट्री यहां शीघ्र स्थापित की जायेगी परन्तु घोषणा के क्रियान्वयन का प्रारम्भ दूर तक दिखाई नहीं देता । उर्वरक कारखाने का उच्छिष्ठ पदार्थ एक नाले द्वारा निस्तारित किया जाता है। विशेषकर खरीफ के मौसम में नाले का गन्दा पानी दूर दूर तक फैल कर फसलों को जला देता है। इस प्रकार गन्दे पानी को नियन्त्रित करके निकालना अत्यावश्यक है अन्यथा किसानों की फसलें बर्बाद होती रहेंगी ।

अतः मैं माननीय कृषि मंत्री जी से साग्रह निवेदन करूंगा कि वे इफको, फूलपुर से संबंधित समस्याओं की ओर व्यक्तिगत ध्यान देकर उनके निराकरण के लिये आवश्यक कदम उठायें । जिन किसानों की भूमि कारखाने में ली गई थी और जिन्हें अभी तक रोजगार नहीं दिया जा सका है, उनकी तुरन्त जांच करा कर उन किसानों को यथायोग्य रोजगार दिलाने की व्यवस्था की जाय अन्यथा किसानों का धैर्य उग्र हो कर आन्दोलनात्मक मार्ग अपना सकता है।

(ii) PROBLEMS FACED BY INDIANS WORKING IN GULF COUNTRIES

SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palghat)* : I draw the attention of the Government to a serious situation arising out of a large number of Indians working in Gulf countries being sent back for some reason or the other. It is reported that those who do not possess valid travel documents are being sent back in launches at great risk of their lives.

It is true that the lure of Gulf money was so irresistible that large number of our people managed to reach these countries without any valid documents. But once they reached there, by their hardwork, they have contributed enormously in building huge factories and palatial mansions. Their contribution to the foreign exchange reserve of our country has been substantial. Majority of Indian workers who are sustaining their families in India and helping us build our foreign exchange reserve are often living and working in hard conditions in theee countries.

The mass repatriation of these workers, majority of whom is Karalites, is going to wreck the economy of Kerala particularly, as lakhs of families in our State depend entirely on the money being sent from Gulf. It is true that these countries have their own labour laws, and the Government of India cannot interfere with that. However, considering the impect of a large scale repatriation of Indian workers on the economy of the country as a whole, the Government should take up matter with the authorities in these countries and find a solution to this problem. I would request the Government to act without any further loss of time.

* The Original speech was delivered in Malayalam.